PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Sun, 04 Jun 2017, Page 1
Width: 57.03 cms, Height: 52.83 cms, a3r, Ref: 6.2017-06-04.11

हवाला के जरिए पाक से पैसा ले रहे अलगाववादियों पर एनआइए ने कसा शिकंजा

29 जगहों पर छापेमारी

• दिल्ली में हवाला कारोबारियों से 1.5 करोड़ जब्त • आतंकी संगठनों के लेटरहेड, पेन ड्राइव और लैपटॉप बरामद

जनसत्ता टीम
नई दिल्ली/चंडीगढ़, 3 जून।

कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए अलगाववादियों को पाकिस्तान से हवाला के जरिए मिल रहे पैसों की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) की टीम ने शनिवार को देशभर में छापे मारे। कश्मीर में 21 जगहों पर और दिल्ली, गुड़गांव व सोनीपत सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 8 जगहों पर छापे मारे गए। इन छापों में एनआइए की टीम ने 1.5 करोड़ रुपए नकद, कई अहम दस्तावेज, पाकिस्तान पोषित आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के लेटरहेड, पेन ड्राइव और लैपटॉप जब्त किए गए।

फंडिंग के मामले में एनआइए ने पहले जो प्राथमिक जांच (पीई) दर्ज की थी, उसे नियमित मामले (आरसी- रेग्युलर केस) में तब्दील कर छापों की कार्रवाई शुरू की गई। कश्मीरी अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेंस व इससे अलग हुए धड़े तहरीक ए हुर्रियत जुड़े रहे तीनों नेताओं नईम खान, फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे और जावेद गाजी बाबा से एनआइए ने चार दिन तक पूछताछ की, जिसमें अहम जानकारियां हाथ लगीं। एक स्टिंग ऑपरेशन के दौरान नईम खान को टेलीविजन चैनल पर पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों से पैसे लेने का दावा करते हुए दिखाया गया था।

एनआइए की टीमों ने जिनके यहां छापे मारे हैं, उनमें कट्टरपंथी अलगाववादी सैयद अली शाह गिलानी और हुर्रियत के इन **बाकी पेज 8 पर**

श्रीनगर में शनिवार को छापे के दौरान एनआइए के अफसर।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Sun, 04 Jun 2017, Page 1
Width: 52.83 cms, Height: 27.13 cms, a3r, Ref: 6.2017-06-04.11

29 जगहों पर छापेमारी

पेज 1 का बाकी

तीनों नेताओं समेत कई अन्य नेताओं के करीबी सहयोगी और रिश्तेदार शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दिल्ली के बल्लीमारान और चांदनी चौक के आठ हवाला डीलरों के यहां छापे मारे गए हैं। इनमें गिलानी के करीबी माने जाने वाले मेहराजुद्दीन कलवल और मीरवाइज उमर फारूक के करीबी शाहिद उल इस्लाम भी शामिल हैं। एनआइए की टीमों ने सोनीपत के दो स्थानों पर भी छापे मारे। एनआइए की एक टीम ने पूर्व अलगाववादी नेता नईम खान के घर पर भी छापा मारा। टीवी चैनल के स्टिंग में पाकिस्तान से पैसे लेने की बात कबूलने के बाद हुर्रियत ने खान को संगठन से निकाल दिया।

एनआइए ने पहले ही आतंकवादी हाफिज सईद, हुर्रियत के दोनों गुटों के नेताओं और इसकी महिला शाखा दुख्तरान-ए-मिल्लत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर रखा है। एनआइए अधिकारियों के अनुसार, सबसे पहले पैसा पाकिस्तान से सऊदी अरब, उसके बाद बांग्लादेश, श्रीलंका और वहां से दिल्ली के हवाला ऑपरेटर के पास पहुंचाया जाता रहा है। दिल्ली व हरियाणा के कारोबारियों के जरिए नकदी कश्मीर में अलगाववादियों तक पहुंचाया जाता रहा है। एनआइए इन व्यापारियों की पहचान कर चुकी है। जल्द कई गिरफ्तारियां की जा सकती हैं।

एनआइए टीम ने सोनीपत जिले के कुंडली स्थित एक गोदाम में छापेमारी की। टीम ने वहां कई अहम दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं। छापे की यह कार्रवाई आठ घंटे से अधिक समय तक चली। एनआइए के डीएसपी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में छह सदस्यों की एक टीम शनिवार सुबह करीब सात बजे कुंडली के प्रभु कृपा कोल्ड स्टोर पर पहुंची। सहयोग के लिए सोनीपत पुलिस की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई। एनआइए ने वहां मौजूद रिकार्ड को अपने कब्जे में लिया।

इस बीच कोल्ड स्टोर के संचालक दिल्ली के प्रीतमपुरा निवासी धर्मेश को भी बुलाया गया। उससे पूछताछ के बाद समूचे रिकार्ड को जब्त कर धर्मेश के दस्तखत भी लिए गए। एनआइए की टीम ने कुंडली के जिस कोल्ड स्टोर में छापा मारा है, वह कुंडली-प्याऊ-मनिआरी रोड़ पर स्थित है। कोल्ड स्टोर मालिकों का कारोबार दिल्ली की खारी बावली में है। बताया जाता है कि धर्मेश का जम्मू-कश्मीर व पाकिस्तान से ड्राईफ्रूट मंगवाने का कारोबार है और इस नाते वह कश्मीर और पाकिस्तान के कई लोगों के संपर्क में था। एनआइए ने इसी बातचीत को रिकार्ड करने के बाद कार्रवाई को अंजाम दिया है।